वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 256 गुरुवार 5 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ पेज 2 पर

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की बड़ी पहल

निवेशकों के लिए खुलेंगे द्वार

जोधपुर-पाली-मारवाड़ में बनेंगे विशेष 'सेमीकंडक्टर कॉरिडोर'

डिजिटल क्रांति में राजस्थान की लंबी छलांग: स्वदेशी उत्पादन और उच्च तकनीक रोजगार पर सरकार का जोर

निवेशकों को होगा फास्ट-ट्रेक लैण्ड अलॉटमेंट

टेस्टिंग, मार्किंग एण्ड पैकेजिंग के क्षेत्र में निवेश, आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली एण्ड टेस्ट और असेम्बली

जयपुर. कासं

जैसे-जैसे देश डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आर्थिक सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए बड़ी आवश्यकता के रूप में उभरी है। यह आधुनिक तकनीक का आधार बन चुकी है। इसको और मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की बड़ी पहल की है। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी प्रदेश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन, पैकेजिंग तथा संबद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में देश का प्रमुख गंतव्य बनाएगी। इस नीति के अन्तर्गत राज्य सरकार जोधपुर-पाली-मारवाड़ और कंकाणी सहित अन्य उपयुक्त औद्योगिक क्षेत्रों को प्रायोरिटी सेमीकंडक्टर कॉरिडोर्स घोषित करेगी। इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए फास्ट-ट्रेक लैण्ड अलॉटमेंट, यूटिलिटी कॉर्डिनेशन और सिंगल विण्डो रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया जाएगा।

विश्व-स्तरीय सेमीकंडक्टर पार्कों का होगा विकास

इस पॉलिसी का प्रमुख उद्देश्य आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली एण्ड टेस्ट (ओएसएटी), असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग एण्ड पैकेजिंग (एटीएमपी) और सेंसर्स के क्षेत्रों में एंकर निवेश को आकर्षित करना है। साथ ही, विश्व-स्तरीय सेमीकंडक्टर पार्कों के विकास के साथ-साथ फैबलेस डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना भी है। नीति के अंतर्गत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत परियोजनाओं को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान दिए जाएंगे। यह नीति सेमीकंडक्टर क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देगी और उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित भी करेगी।

निवेशकों को मिलेंगी सुगम एवं सुलभ सुविधाएं

सेमीकंडक्टर्स इंडस्ट्रीज के सुचारू संचालन के साथ-साथ निवेशकों को सुगम एवं सुलभ सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए इस नीति में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। राज्य सरकार निवेशकों को पानी एवं बिजली सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करेगी।

नीति का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए दो समितियां होगी गठित

प्रदेश में निवेशकों को सेमीकंडक्टर यूनिट्स की स्थापना के लिए राजनिवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की क्रियान्विति के लिए दो समितियों-स्टेट लेवल सेंक्शनिंग कमेटी (एसएलएफसी) और स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी का गठन किया जाएगा। वहीं, उद्योग एवं वाणिज्यिक विभाग नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा। उल्लेखनीय है कि देश में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरूआत की थी। हाल ही के केन्द्रीय बजट में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के लिए 40 हजार करोड़ का प्रावधान किया है। इस विजन को मजबूत करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के लाभ दिए जा रहे हैं। मेक इन इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए मजबूत इकोसिस्टम बनाया है।

ग्राम उत्थान शिविर, एक ही छत के नीचे मिल रहा विभिन्न योजनाओं का लाभ

आज से 9 फरवरी तक ग्राम उत्थान शिविर का द्वितीय चरण शुरू

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीणों तक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम उत्थान शिविरों की अभिनव पहल की गई है। 23 जनवरी (बंसत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर शुरू हुए इन शिविरों में आमजन की 77 लाख से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इन शिविरों से किसान, पशुपालक, महिला एवं श्रमिक सहित विभिन्न वर्गों को एक ही छत के नीचे योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इससे प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी कम हुई है और आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्रामीण राजस्थान को गति मिली है। ग्राम उत्थान शिविरों के तहत अब तक पूरे प्रदेश में 1 हजार 512 शिविर लगाकर ग्रामीणों को राहत दी गई है। अब तक इन शिविरों में 13 लाख 91 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जिसमें 9 लाख 17 हजार पुरूष एवं 4 लाख 12 हजार महिलाएं शामिल हैं। प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर आयोजित इन शिविरों में करीब 13 विभागों की विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। इन शिविरों में पीएम सूर्य घर योजना के तहत 28 हजार 908 पंजीकरण तथा फार्मर रजिस्ट्री के 14 हजार 430 पंजीकरण किए गए हैं। शिविरों में फार्म पौंड, तारबंदी, पाईपलाइन के आवेदन, प्राथमिक डेयरी सहकारी समिति और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण का प्रचार-प्रसार, कृषि योजनाओं की जानकारी, मिनी किट वितरण का सत्यापन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, युवा स्वरोजगार योजना, ड्रिप, फव्वारा संयत्र, प्लास्टिक मल्च के आवेदन सहित डेयरी, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं के कार्य करवाए जा रहे हैं।

लॉर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल में 'लॉर्ड्स स्पेक्ट्रम-2026' की धूम

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

रावतसर. शाबाश इंडिया

स्थानीय लॉर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह ''लॉर्ड्स स्पेक्ट्रम-2026'' अत्यंत उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। रंग-बिरंगी रोशनी और कलात्मक मंच सज्जा के बीच विद्यार्थियों की प्रतिभा ने विद्यालय प्रांगण को जीवंत कर दिया। अतिथियों का सान्निध्य समारोह में मुख्य अतिथि प्रताप सिंह सुडा (जिला अध्यक्ष, भारतीय किसान संघ) एवं विशिष्ट अतिथियों में सुभाष मंगलाराव, अर्जुन ढूंढाडा, विनोद स्वामी (बार संघ अध्यक्ष), जितेंद्र गोयल (अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति), ईश्वर चंद (थाना प्रभारी), विजेंद्र मीणा और मनोज शर्मा सहित क्षेत्र की गणमान्य विभूतियाँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कला और संदेश का संगम विद्यार्थियों ने गणेश वंदना और क्षेत्रपाल नृत्य-नाट्य के साथ आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। नन्हे मुन्नों के 'फेयरी डांस' और 'जंगल थीम' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से गंभीर सामाजिक संदेश भी दिए: सामाजिक चेतना: नशा मुक्ति (ड्रग अवेयरनेस), किसान जीवन और शैक्षिक संदेश।

ऐतिहासिक व पौराणिक प्रसंग: महाभारत नाट्य, एकलव्य-द्रोणाचार्य संवाद और द्रौपदी चीरहरण के मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

मनोरंजन: 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' जैसी हास्य नाटिका ने अभिभावकों को खूब गुदगुदाया।

लोक संस्कृति: हरियाणवी, राजस्थानी एवं पंजाबी लोक नृत्यों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया गया।

सम्मान और आभार विद्यालय के निदेशक संजय वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के अध्यक्ष भागीरथ करड़वाल के साथ मिलकर उन्होंने अतिथियों को पुष्प-गुच्छ एवं स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों द्वारा मंच का कुशल संचालन विद्यालय की भाषाई और मंचीय दक्षता का परिचायक रहा।

अंत में प्रधानाचार्या श्रीमती विमला वर्मा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता की सराहना की। यह समारोह विद्यालय की शैक्षिक उत्कृष्टता और नैतिक मूल्यों की सशक्त अभिव्यक्ति के रूप में यादगार रहा।

फेयरवेल 2025: 'सुबोध एयरलाइंस' के रनवे से छात्रों ने भरी सुनहरे भविष्य की 'उड़ान'

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट रोड, सांगानेर ने 3 फरवरी 2025 को कक्षा 12वीं के पास-आउट होने वाले बैच के लिए एक भावुक और जीवंत विदाई समारोह 'उड़ान' का आयोजन किया। इस भव्य समारोह की सबसे अनूठी विशेषता इसकी थीम रही, जिसे रचनात्मक रूप से 'सुबोध एयरलाइंस' के रूप में डिजाइन किया गया था। पूरा विद्यालय परिसर एक रनवे के रूप में सजाया गया, जो छात्रों की स्कूली जीवन से खुले आसमान की नई ऊंचाइयों तक की यात्रा का प्रतीक बना। रैंप वॉक और टाइटल आकर्षण का केंद्र समारोह के दौरान एक शानदार रैंप वॉक आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी शालीनता और व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। निर्णायकों ने छात्रों को उनके विशिष्ट गुणों के आधार पर विभिन्न उपाधियों से नवाजा:

मिस्टर सुबोध: हर्ष शर्मा
मिस सुबोध: साक्षी शर्मा
मिस्टर डायनेमिक रिदम: सक्षम शर्मा
मिस डांस दिवा: प्रिया टाक
मिस्टर स्टाइल आइकन: प्रांजल कुमार वर्मा
मिस एलिगेंस आइकन: सृष्टि बनर्जी
मिस्टर डेबोनेयर: यश नरुका
मिस क्लासिक एल्योर: मैत्री पारीक
मिस्टर वोग: कृष शर्मा
मिस फैशनिस्टा: अनुष्का खंडेलवाल
बेस्ट रैंप वॉक: वेदांग बागोरिया और कामाक्षी शर्मा

शोस्टॉपर और प्रेरणादायक संबोधन शाम का मुख्य आकर्षण 'मिस इंडिया ग्लैम 2025' की विजेता और इसी विद्यालय की होनहार छात्रा तमन्ना सरनानी का शानदार 'शोस्टॉपर वॉक' रहा, जिसने समां बांध दिया। प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी कपूर ने विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि विद्यालय के गलियारे भले ही पीछे छूट रहे हैं, लेकिन यहाँ से प्राप्त संस्कार और शिक्षा उनके जीवन की असली शक्ति बनेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह विदाई समारोह पुरानी यादों के उल्लास और भविष्य की उज्ज्वल संभावनाओं के एक बेहतरीन संगम के साथ संपन्न हुआ।

शिक्षा बढ़ी, संस्कार घटे—एक सामाजिक विडम्बना

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को संवेदनशील, नैतिक और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। परंतु आज की शिक्षा प्रणाली प्राय: अंकों, प्रतिस्पर्धा और भौतिक सफलता तक सीमित होकर रह गई है। परिणामस्वरूप हम पढ़े-लिखे तो हो रहे हैं, पर विवेक, करुणा, सहनशीलता और सम्मान जैसे मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं।

आज का समाज ज्ञान और सूचनाओं से परिपूर्ण है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। डिग्रियाँ, प्रमाणपत्र और उपाधियाँ प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल हो गया है। फिर भी यह एक कड़वी सच्चाई है कि शिक्षा के इस विस्तार के साथ-साथ मानवीय संस्कारों का ह्रास होता जा रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी सामाजिक विडम्बना है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को संवेदनशील, नैतिक और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। परंतु आज की शिक्षा प्रणाली प्रायः अंकों, प्रतिस्पर्धा और भौतिक सफलता तक सीमित होकर रह गई है। परिणामस्वरूप हम पढ़े-लिखे तो हो रहे हैं, पर विवेक, करुणा, सहनशीलता और सम्मान जैसे मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। परिवार, जो संस्कारों की पहली पाठशाला होता है, वहाँ भी समय की कमी और भागदौड़ के कारण संवाद और मार्गदर्शन कम होता जा रहा है। बच्चे तकनीक से तो जुड़ गए हैं, किंतु अपने बड़ों के अनुभव और सीख से कटते जा रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा बढ़ने के बावजूद अहंकार, असहिष्णुता और संवेदनहीनता में वृद्धि हो रही है। समाज में बढ़ती हिंसा, असभ्य व्यवहार, रिश्तों में टूटन और नैतिक मूल्यों का पतन इस विडम्बना के स्पष्ट उदाहरण हैं। यदि शिक्षा वास्तव में सफल होती, तो वह समाज को अधिक मानवीय, समरस और संवेदनशील बनाती। किंतु जब संस्कारों को शिक्षा से अलग कर दिया जाता है, तब शिक्षा अधूरी रह जाती है। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और संस्कार को पुनः एक-दूसरे से जोड़ा जाए। पाठ्यक्रमों के साथ-साथ जीवन मूल्यों, सेवा-भाव, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी बल दिया जाए। तभी शिक्षा केवल बुद्धि ही नहीं, बल्कि चरित्र का भी निर्माण कर सकेगी। अंततः कहा जा सकता है कि बिना संस्कारों की शिक्षा केवल जानकारी मात्र है, जबकि संस्कारों से युक्त शिक्षा ही सच्ची प्रगति का आधार बनती है। समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब शिक्षा के साथ संस्कार भी बढ़ें—यही इस सामाजिक विडम्बना का समाधान है।

-अनिल माथुर
ज्वाला-विहार, जोधपुर

वेद ज्ञान

निष्काम कर्म से मोक्ष का मार्ग

सुनील कुमार महला

श्रीमद्भगवद्गीता में कर्म को जीवन का मूल आधार और आत्मा की उन्नति का प्रमुख साधन बताया गया है। गीता का शाश्वत संदेश है कि मनुष्य एक क्षण भी कर्म किए बिना नहीं रह सकता। अतः, कर्म से पलायन करना समाधान नहीं है, बल्कि कर्म को सही दृष्टिकोण और पवित्र भावना के साथ करना ही वास्तविक धर्म है। कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया, वह केवल उस समय के लिए नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए जीवन प्रबंधन का सूत्र है। अधिकार केवल कर्म पर, फल पर नहीं श्रीकृष्ण कहते हैं ''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन''। इसका अर्थ अत्यंत गहरा है हे अर्जुन! तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फल पर कभी नहीं। यह सूत्र मनुष्य को मानसिक तनाव और भविष्य की चिंता से मुक्त करता है। जब हम फल की चिंता छोड़कर वर्तमान के कर्म पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हमारी कार्यक्षमता और एकाग्रता चरम पर होती है। वास्तव में गीता का संदेश बहुत सीधा और स्पष्ट है जीवन में कर्तव्य निभाओ पर आसक्ति मत रखो, कर्म करो पर अहंकार को स्थान मत दो, और जो भी परिणाम मिले उसे ईश्वर का प्रसाद समझकर स्वीकार करो। कर्म के तीन स्वरूप गीता में कर्मों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जो मनुष्य के स्वभाव और गुणों पर आधारित हैं: **सात्त्विक कर्म:** यह वह कर्म है जो फल की इच्छा के बिना, राग-द्वेष से मुक्त होकर और केवल कर्तव्य बोध के साथ किया जाता है। यही कर्म मनुष्य को मुक्ति की ओर ले जाता है। **राजसिक कर्म:** जो कर्म अहंकार, मान-प्रतिष्ठा, लाभ या स्वार्थ की सिद्धि के लिए अत्यधिक परिश्रम के साथ किया जाए, वह राजसिक है। इसमें कर्ता फल के प्रति बहुत अधिक व्याकुल रहता है। **तामसिक कर्म:** जो कर्म अज्ञान, आलस्य, मोह या दूसरों को हानि पहुंचाने के उद्देश्य से किया जाता है, वह तामसिक है। यह मनुष्य के पतन और विनाश का मूल कारण बनता है। **निष्काम कर्म:** मुक्ति का सोपान जब व्यक्ति स्वार्थ, अहंकार और फल की आसक्ति का त्याग कर देता है, तो वही कर्म बंधन का कारण बनने के बजाय मोक्ष का मार्ग बन जाता है। इसे ही 'निष्काम कर्मयोग' कहा गया है।

संपादकीय

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में आत्महत्या रोकथाम

मानव सभ्यता की प्रगति के साथ-साथ आज मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जटिलताएं भी तेजी से बढ़ी हैं। इन्हीं चुनौतियों के बीच 'आत्महत्या' एक वैश्विक संकट के रूप में उभरी है। यह केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय नहीं, बल्कि इसके पीछे मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों का गहरा जाल होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के चौंकाने वाले आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में हर साल लगभग 7 लाख लोग

आत्महत्या करते हैं, जिसका अर्थ है हर 40 सेकंड में एक बेशकीमती जान का जाना। वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में 77 प्रतिशत लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों से हैं। भारत जैसे घनी आबादी वाले देशों में स्थिति और भी गंभीर है। 'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो 2022' की रिपोर्ट बताती है कि भारत में एक वर्ष में 1.64 लाख से अधिक आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जिनमें दैनिक वेतनभोगी, छात्र और किसान प्रमुख हैं। दक्षिण कोरिया, जापान और लिथुआनिया जैसे देशों में भी प्रति लाख आबादी पर आत्महत्या की दर बहुत अधिक है। इस दिशा में भारत सरकार का 'राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति' की घोषणा करना एक ऐतिहासिक कदम है। यह देश का पहला ऐसा कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। यह रणनीति विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र रणनीति' के अनुरूप है, जो समयबद्ध कार्ययोजना और बहु-क्षेत्रीय सहयोग पर बल देती है। आत्महत्या के कारण और सामाजिक चुनौती आत्महत्या का निर्णय अक्सर क्षणिक आवेग नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होता है। अवसाद, द्विध्रुवी विकार और नशे की लत के अलावा बेरोजगारी, आर्थिक तंगी, घरेलू हिंसा और शिक्षा का दबाव इसके मुख्य कारक हैं। 15-29 वर्ष के युवाओं में आत्महत्या मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। आज के डिजिटल युग में इंटरनेट पर प्रताड़ना और सामाजिक माध्यमों की अवास्तविक अपेक्षाएं भी युवाओं को अंधकार की ओर धकेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक हम इसे 'व्यक्तिगत समस्या' के बजाय 'सामाजिक चुनौती' नहीं मानेंगे, इसका समाधान संभव नहीं है। रोकथाम के वैज्ञानिक और व्यवहारिक उपाय विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'लाइव लाइफ' रणनीति आत्महत्या रोकने के लिए चार प्रमुख आधार स्तंभ बताती है: कीटनाशक और घातक दवाओं जैसे साधनों की उपलब्धता कम करना। समाचार माध्यमों द्वारा सूचना देने के लिए जिम्मेदार दिशा-निर्देश बनाना। युवाओं में सामाजिक-भावनात्मक कौशल विकसित करना। मानसिक समस्याओं की जल्दी पहचान कर सहायता उपलब्ध कराना। उदाहरण के तौर पर, श्रीलंका ने कीटनाशकों पर कड़ा नियंत्रण कर आत्महत्या दर को 70 प्रतिशत तक घटा दिया। इसी तरह, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया ने परामर्श सेवाओं के विस्तार से बड़ी सफलता पाई है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सुनेत्रा पवार का राज्याभिषेक

कांतिलाल मांडोत

महाराष्ट्र की राजनीति आज एक ऐसे मोड़ पर है, जहाँ सत्ता, संवेदना और संगठन तीनों की एक साथ परीक्षा होनी है। अजित पवार के आकस्मिक निधन से रिक्त हुए उपमुख्यमंत्री पद पर उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और महायुति सरकार के लिए एक गहरी भावनात्मक और राजनीतिक चुनौती भी है। यह शपथ एक ऐसी नई भूमिका की शुरूआत है, जिसमें उन्हें न केवल सरकार की जिम्मेदारी निभानी होगी, बल्कि उस राजनीतिक विरासत को भी संभालना होगा, जिसे अजित पवार अपने पीछे छोड़ गए हैं। सुनेत्रा पवार का अब तक का सार्वजनिक जीवन मुख्य रूप से समाजसेवा और संस्थागत कार्यों तक सीमित रहा है। 'एनवायर्नमेंटल फोरम ऑफ इंडिया' के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, बारामती हाईटेक टेक्सटाइल पार्क के जरिए महिला रोजगार और विद्या प्रतिष्ठान जैसी संस्थाओं में उनके योगदान ने उन्हें एक प्रशासनिक समझ और सामाजिक संवेदनशीलता दी है। हालांकि, उपमुख्यमंत्री का पद इन सबसे कहीं अधिक जटिल है। यहाँ निर्णय केवल फाइलों पर नहीं, बल्कि सत्ता के सूक्ष्म संतुलन और राजनीतिक संकेतों पर आधारित होते हैं। अजित पवार के निधन से एनसीपी में जो शून्य पैदा हुआ है, वह केवल एक पद का नहीं, बल्कि एक प्रभावी नेतृत्व का है। छह बार उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार की संगठन पर पकड़, पश्चिमी महाराष्ट्र की राजनीति में उनका प्रभाव और महायुति सरकार में उनकी अपरिहार्यता का विकल्प ढूँढना आसान नहीं है। ऐसे में सुनेत्रा पवार का चयन भावनात्मक रूप से स्वाभाविक और राजनीतिक रूप से व्यावहारिक है। विधायक दल की त्वरित सहमति दर्शाती है कि पार्टी फिलहाल प्रयोगों के बजाय स्थिरता को प्राथमिकता दे रही है। उनके सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या वे केवल एक 'संवेदनात्मक विकल्प' बनकर रहेंगी या पार्टी की सक्रिय राजनीतिक धुरी बनेंगी। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तीव्र है कि क्या वे एनसीपी के दोनों गुटों—अजित पवार और शरद पवार गुट के एकीकरण का सेतु बनेंगी? शरद पवार स्वयं संकेत दे चुके हैं कि उनके दिवंगत भतीजे की अंतिम इच्छा पार्टी को एक करने की थी। ऐसी स्थिति में सुनेत्रा पवार का उपमुख्यमंत्री बनना पार्टी के भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम साबित हो सकता है। राजनीति में इच्छा और हकीकत के बीच सदैव फासला होता है। शपथ के तुरंत बाद उनके सामने राज्य का बजट, विभागों का आवंटन और महायुति के भीतर समन्वय जैसे तात्कालिक मुद्दे होंगे। प्रारंभ में उनकी भूमिका प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण होगी, जहाँ वे सरकार में एनसीपी की उपस्थिति का चेहरा बनेंगी। एकीकरण का सवाल जितना भावनात्मक है, उतना ही राजनीतिक गणित से भी जुड़ा है। एक संयुक्त एनसीपी महाराष्ट्र के शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल सकती है, लेकिन इसके लिए शरद पवार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की सामूहिक सहमति अनिवार्य होगी। सुनेत्रा पवार की सबसे बड़ी परीक्षा खुद को 'अजित पवार की पत्नी' की पहचान से आगे ले जाने की होगी। सहानुभूति प्रारंभिक समर्थन तो दे सकती है, लेकिन दीर्घकालिक राजनीति के लिए निर्णय क्षमता और स्वतंत्र नेतृत्व आवश्यक है। बारामती के लोकसभा चुनाव परिणामों ने उन्हें यह सिखाया है कि 'पवार' उपनाम जीत की गारंटी नहीं है। अब उनके पास प्रशासनिक कार्यों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर है।

अवश्य पधारिये । श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः धर्मलाभ उठाइये ।।

पदमपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026

भव्य मंगल प्रवेश

गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ

रविवार, 1 फरवरी 2026 • दोपहर 3.15 बजे

पद्मप्रभ मोक्ष कल्याणक महोत्सव

गुरूवार, 5 फरवरी 2026

श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर मिति फाल्गुण कृष्णा चतुर्थी संवत् 2082 तदानुसार गुरूवार, 5 फरवरी 2026 को भव्य पदमप्रभ मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव एवं पंच कल्याणक के पात्रों के निर्धारण का भव्य आयोजन होगा । सभी साधर्मी बन्धुओं से अनुरोध है कि सभी मांगलिक कार्यक्रमों में सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधार कर, धर्मलाभ प्राप्त करें एवं कार्यक्रम को भव्य बनावें।

'पधारो पदमपुरा बाड़ा'

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) जयपुर में
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य परम पूज्य आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में एवं
गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के पावन प्रेरणा से
नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी का भव्यातिभव्य श्री मज्जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव
दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने जा रहा है।

मांगलिक कार्यक्रम

रविवार, 1 फरवरी 2026

गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश दोपहर 3.15 बजे (शिवदासपुरा मार्ग से) तत्पश्चात् सायंकालीन वात्सल्य भोज

गुरूवार, 5 फरवरी 2026

प्रातः 7.30 बजे	:	नित्य नियम अभिषेक
प्रातः 8.15 बजे	:	निर्वाण पूजन एवं निर्वाण लाडू
प्रातः 10.15 बजे	:	भव्य खड्गासन प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक

निवेदक

प्रबंध समिति श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर

प्रबन्ध समिति – संरक्षक : श्री भागचन्द टोंग्या, निवाई – 9214078900, न्यायाधीश नगेन्द्र कुमार जैन काला – 9829061053, श्री राजेन्द्र के. गोधा – 9351251493, श्री रूपचन्द कटारिया, दिल्ली – 9871205252, श्री ज्ञानचन्द झांझरी – 9829013094 • अध्यक्ष : श्री सुधीर कुमार जैन, दौसा – 9414050432 • उपाध्यक्ष : श्री अनिल कुमार जैन – 9414337555, श्री महावीर कुमार अजमेरा कोटखावदा – 9929174404, श्री नेमीचन्द गंगवाल, निवाई – 9414866946, श्री सुभाष जैन पाटनी – 9829213514, श्री सुरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या – 9829063341, श्री सुरेशचन्द काला, चन्दलाई – 8560912735 • मानद मंत्री : श्री हेमन्त सोगानी – 9829064506 • संयुक्त मंत्री : श्री जितेन्द्र मोहन जैन एडवोकेट – 9828017429 • कोषाध्यक्ष : श्री राजकुमार कोठ्यारी – 9414048432 • सदस्य : श्री चौथमल भौंसा बड़जात्या, चाकसू – 9460554694, श्री गोविन्द जैन – 9828081188, श्री ज्ञानचन्द जैन, सोगानी – 9829092744, श्री हरिश चन्द्र जैन, पाडूका – 9414075449, श्री कैलाश चन्द जैन, सोगानी – 9829062289, श्री महावीर कुमार पाटनी – 9414047344, श्री महेन्द्र कुमार जैन, अनोपड़ा – 9314501075, श्री महावीर प्रसाद पहाड़िया – 9829475081, श्री नगेन्द्र कुमार जैन, कालोता – 9414251259, श्री नरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या – 9414078372, श्री प्रेम चन्द छाबड़ा – 9414052412, श्री राज कुमार सेठी – 9829098098, श्री राजेश जैन गंगवाल – 9314503273, श्री संतोष कुमार जैन रांवका – 9351185559, डॉ. विमल कुमार जैन – 9414460694, श्री योगेश टोडरका – 9414771158

सदस्य साधारण सभा – श्री अरूण जैन बैनाड़ा, लालसोट – 9414053435, श्रीमती आशा देवी जैन – 9300784201, श्री अशोक कुमार छाबड़ा सी.ए. – 9413678383, श्री अशोक कुमार कासलीवाल – 9351622889, श्री अशोक कुमार कटारिया – 9414029202, श्री अशोक कुमार पाटनी – 9829097066, श्री भागचन्द अजमेरा – 9610954051, श्री भाग चन्द जैन, सिकन्दरा – 9982067009, श्री दुलीचन्द विनायक्या – 9436003013, श्री धनु कुमार जैन – 9530399413, श्री जे. के. जैन – 9828017429, श्री कैलाश चन्द झांझरी – 9928010433, श्री करूण कुमार जैन अनोपड़ा, पदमपुरा – 9829621118, श्री महेन्द्र कुमार पाटनी – 9314651338, श्री महेश काला – 9829220151, श्री मुकेश जैन पुत्र श्री श्याम सुन्दर जैन – 9829010144, श्री मुकेश कुमार जैन एडवोकेट, अजमेर – 9828100123, श्री नाभि कुमार जैन – 9810191916, श्री प्रदीप कुमार जैन – 9829051671, श्री प्रकाश चन्द जैन – 9351386010, श्री प्रकाशचन्द सोनी – 9414558485, श्री राजेन्द्र बिलाला, मोहनबाड़ी – 9414073015, श्री राकेश जैन – 9829484888, श्री राजेश कुमार सेठी – 9414077525, श्री राजेन्द्र कुमार जैन, खीरवाल, दौसा – 8562840715, श्री सन्तोष कुमार सेठी, कलकत्ता – 9831076982, श्रीमती सविता जैन – 04428331704, डॉ. शरद गोधा – 9413342591, डॉ. शीतलचन्द जैन – 9414783707, श्री सत्यनारायण जैनाड़वाल – 9828459248, श्री सुबोध कुमार जैन – 9414272466, श्री सुरेश चन्द गंगवाल, निमोडिया – 9829695125, श्री सुरेश चन्द सबलावत – 9828111101, श्री सुनिल जैन पोल्याका "बब्बल" – 9829054582, श्री सुनिल जैन राजू – 9829050369

महोत्सव कार्यालय
छतरीवाला संभाग, भट्टारक जी की नसियां, जयपुर
मो. : 94140 48432, 98290 64506

पदमपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति

(अन्तर्गत श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर, राजस्थान)

क्षेत्रीय कार्यालय
बाड़ा पदमपुरा, टोंक रोड, जयपुर
मो. : 90579 03365

विश्व कैंसर दिवसः रेनोवा कैंसर सेंटर द्वारा जन-जागरूकता वार्ता आयोजित, महा समिति सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

'विश्व कैंसर दिवस' के पूर्व अवसर पर 3 फरवरी को रेनोवा कैंसर सेंटर द्वारा एक विशेष जन-जागरूकता वार्ता का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज को कैंसर के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच के महत्व को समझाना था। महा समिति का सक्रिय सहयोग इस कार्यक्रम में महा समिति के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उपस्थित सदस्यों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ संवाद किया और इस सत्र को स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। गौरतलब है कि महा समिति के सदस्य चिकित्सा और स्वास्थ्य से संबंधित सामाजिक सरोकारों में सदैव अग्रणी रहते हैं। प्रशस्ति पत्र से किया अभिनंदन रेनोवा कैंसर सेंटर द्वारा समाजहित में किए जा रहे निरंतर प्रयासों, स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति समर्पण और सक्रिय सहभागिता के लिए महा समिति को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सेंटर के प्रबंधन ने समिति के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। समिति के पदाधिकारियों ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी स्वास्थ्य संबंधी जन-कल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय रहने का संकल्प दोहराया।

संकट, संघर्ष और साधना से गढ़ी जाती है जीवन की सबसे सशक्त कहानी

नितिन जैन

तुम्हारे ऊपर जितने संकट आएंगे, तुम्हारी कहानी उतनी ही दिलचस्प और प्रेरणादायक बनेगी। निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज का यह वाक्य केवल एक सुविचार नहीं, बल्कि जीवन का वह शाश्वत सत्य है जिसे हर सफल व्यक्ति ने अनुभव किया है। अक्सर हम सुखद और सहज जीवन की कामना करते हैं, पर सत्य तो यह है कि जो जीवन बिना संघर्ष के बीत जाता है, वह सरल तो हो सकता है, लेकिन उसमें वह चमक नहीं होती जो अंधकार में दूसरों को रास्ता दिखा सके। संकट जब आते हैं, तो वे अकेले नहीं आते; वे अपने साथ मानसिक द्वंद्व, डगमगाता धैर्य और अपनों के ही तीखे प्रश्न लेकर आते हैं। लेकिन यही वह बिंदु है जहाँ से व्यक्ति की असली परीक्षा और उसके व्यक्तित्व का निर्माण शुरू होता है। कठिन समय हमें दो विकल्प देता है या तो हम परिस्थितियों के आगे घुटने टेककर कमजोर बन जाएं, या फिर उन हालातों से लड़कर स्वयं को फौलाद बना लें। जो व्यक्ति संकट की इन घड़ियों में भी अपने मूल्यों, सत्य की राह और आत्मसम्मान को अडिग रखता है, वही आगे चलकर समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। यदि हम इतिहास, समाज या धर्म के पन्नों को पलटें, तो हम पाएंगे कि वहाँ केवल उन्हीं लोगों के नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय, उन संकटों को अपनी 'साधना' बना लिया। हमारी जीवन की कहानी जितनी अधिक आंधियों और झंझावातों से होकर गुजरती है, वह लोगों के दिलों में उतनी ही गहरी जगह बनाती है। इसका कारण यह है कि जनमानस कभी केवल 'जीत' से नहीं जुड़ता, वह उस जीत के पीछे छिपे 'संघर्ष' से जुड़ता है। संघर्ष ही वह सेतु है जो एक साधारण इंसान को असाधारण व्यक्तित्व में बदल देता है। अतः, संकटों से घबराने या उन्हें कोसने के बजाय, उन्हें एक अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। ये संकट ही हमारे जीवन की पुस्तक के वे अध्याय हैं, जो अंततः हमारी साधारण सी जिंदगी को एक महान गाथा में तब्दील कर देते हैं। याद रखिए, जिस पत्थर ने छैनी और हथौड़े की मार नहीं सही, वह कभी मूरत नहीं बन सकता।

नितिन जैन संयोजकः
जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल

शतरंज को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा 'चेतन प्रताप मेमोरियल टूर्नामेंट': पोस्टर विमोचन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

'द्वितीय चेतन प्रताप स्मृति रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता-2026' के भव्य आयोजन को लेकर आयोजित पोस्टर विमोचन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री श्रीमती एकता अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया। बौद्धिक विकास का आधार है शतरंज पोस्टर विमोचन के दौरान श्रीमती एकता अग्रवाल ने कहा कि शतरंज जैसे बौद्धिक खेल युवाओं की मानसिक क्षमता, एकाग्रता और अनुशासन को विकसित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे आयोजन न केवल उभरती खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेंगे, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेंगे। कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन जयपुर जिला शतरंज संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने इस अवसर पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी प्रतियोगिता से राजस्थान में शतरंज को नई दिशा मिल रही है। कार्यक्रम में प्रतियोगिता समन्वयक श्री जिनेश कुमार जैन के कुशल नेतृत्व और खिलाड़ियों के प्रति उनके संवेदनशील दृष्टिकोण की विशेष रूप से प्रशंसा की गई। वक्ताओं ने कहा कि श्री जैन के बेहतर समन्वय के कारण यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

प्रतियोगिता का विवरण:

दिनांकः 08 फरवरी 2026 (रविवार)
स्थानः एस.एस. जैन सुबोध वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय, रामबाग, जयपुर।
आयोजकः जयपुर शतरंज अकादमी (जिला शतरंज संघ द्वारा मान्यता प्राप्त)।
पुरस्कारः कुल 21,000/- रुपए की नकद राशि, 39 आकर्षक ढाल (ट्रॉफियाँ) और पदक।
समारोह के अंत में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों ने प्रतियोगिता की सफलता की कामना करते हुए आयोजक मंडल और समन्वयक श्री जिनेश कुमार जैन को हार्दिक बधाई दी।

स्कूली बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजितः विद्यार्थियों ने उत्साह से लिया भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

'श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र' के तत्वावधान एवं 'क्रैक द वैलनेस कोड फाउंडेशन' के सौजन्य से के.सी.जेड. उच्च माध्यमिक विद्यालय, संग्राम कॉलोनी, सी-स्कीम में बुधवार, 4 फरवरी 2026 को एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। विशेषज्ञों द्वारा परामर्श यह शिविर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एस. सी. बोहरा के सानिध्य में संपन्न हुआ। शिविर के दौरान 'थापर दंत चिकित्सालय' की डॉ. स्तुति थापर एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों के दांतों की विस्तृत जांच की और उन्हें मुख की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। विभिन्न जांचें और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 'विजन डायग्नोस्टिक' के सहयोग से छात्र-छात्राओं के हीमोग्लोबिन, रक्त समूह, वजन, लंबाई और प्राणवायु (ऑक्सीजन) स्तर की निःशुल्क जांच की गई। स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत श्री आदिनाथ जैन सहायता न्यास की ओर से सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उपहार भेंट किए गए। सराहनीय प्रबंधन और आभार शिविर के सुचारू संचालन में श्री सुरेश लुहाड़िया एवं श्री अनिल टोग्या ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्था की प्रमुख डॉ. गार्गी गोपेश ने चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक सशक्त कदम हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री देवेंद्र जी ने आयोजकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों को बचपन से ही स्वास्थ्य के प्रति सचेत बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं। शिविर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लाभ उठाया।

लीनेस क्लब स्वरा की सराहनीय पहल

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भेंट कीं सिलाई मशीनें

जयपुर. शाबाश इंडिया। 'लीनेस क्लब स्वरा' द्वारा सत्र का प्रथम सामाजिक सेवा कार्यक्रम 'क्रिएचर फाउंडेशन' के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह संस्था जरूरतमंद महिलाओं एवं बालिकाओं को निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदम इस अवसर पर लीनेस क्लब स्वरा की ओर से दो सिलाई मशीनें भेंट की गईं। ये मशीनें क्लब के माध्यम से दीपशिखा जैन एवं सुनीता पाटनी द्वारा प्रदान की गईं। इन मशीनों की सहायता से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को अपने कौशल को निखारने और आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने में बड़ी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को अल्पाहार भी वितरित किया गया। समर्पण और सहभागिता इस सेवा कार्यक्रम का संयोजन मालती जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में क्रिएचर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन एवं सचिव कुलदीप सिंह ढिल्लों की गरिमामयी उपस्थिति रही। क्लब की चार्टर अध्यक्ष स्वाति जैन, अध्यक्ष पूनम सक्सेना, सचिव रुचि शर्मा, सलाहकार अंजू जैन एवं जनसंपर्क अधिकारी स्वाति गंगवाल ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। सशक्त समाज का संकल्प सभी पदाधिकारियों ने क्रिएचर फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। क्लब पदाधिकारियों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही एक सशक्त समाज की सुदृढ़ नींव है, और लीनेस क्लब स्वरा इसी उद्देश्य के साथ सेवा कार्य जारी रखेगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जबलपुर जैन समाज का दूरदर्शी संकल्पः संस्कारों की सुरक्षा और सादगी का नया अध्याय

राजेश जैन 'दद्दू', इंदौर

संस्कारधानी जबलपुर जैन समाज का हालिया निर्णय संपूर्ण भारतवर्ष के जैन समाज के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायी है। मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज की मंगल देशना से प्रेरित होकर समाज ने जिन आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया है, वे न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दिन में विवाह और सात्विक भोज मुनि श्री ने समाज को संबोधित करते हुए दिन में ही विवाह संस्कार और भोज संपन्न करने की प्रतिज्ञा दिलाई है। यह पहल ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके साथ ही, यह निर्णय स्वास्थ्य और संयमपूर्ण जैन जीवनशैली को सशक्त बनाता है। रात्रि भोजन का त्याग जैन धर्म का मूल सिद्धांत है, और इस संकल्प से उस परंपरा को पुनर्जीवित करने में सहायता मिलेगी। शाकाहारी मूल्यों का संरक्षण माँसाहार परोसने वाले होटलों और रिसॉर्ट्स में विवाह न करने का संकल्प जैन समाज के शुद्ध शाकाहारी मूल्यों को सुदृढ़ करता है। यह कदम हमारी भावी पीढ़ी को संस्कारों की सही दिशा दिखाने और उन्हें अपनी संस्कृति पर गर्व करने की सीख देता है। **अत्याधुनिक मैरिज गार्डनः** सुविधा और संस्कार का संगम जबलपुर समाज द्वारा स्वयं के अत्याधुनिक मैरिज गार्डन विकसित करने का विचार अत्यंत सराहनीय है। यह पहल समाज के लिए ऐसी सुविधाओं का सृजन करेगी जहाँ संस्कार, सादगी और आत्मसम्मान का संगम होगा। मयंक जैन और अन्य सामाजिक संगठनों ने भी इस पहल को राष्ट्रव्यापी स्तर पर अपनाने का आह्वान किया है। **व्यावहारिक सुझावः** इंदौर के लिए अनुकरणीय मॉडल इस संदर्भ में एक व्यावहारिक सुझाव यह है कि इंदौर जैसे प्रमुख नगरों का जैन समाज शुद्ध शाकाहारी होटलों और रिसॉर्ट्स के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करे। इससे समाज के परिवारों को मांगलिक आयोजनों के लिए रियायती दरों पर स्थान उपलब्ध हो सकेंगे। यह व्यवस्था संस्कारों की रक्षा के साथ-साथ आर्थिक मितव्ययिता भी सुनिश्चित करेगी। जबलपुर जैन समाज की यह पहल समाज को संस्कारवान, संगठित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। संस्कारधानी के इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए जबलपुर समाज को हार्दिक साधुवाद।

कुण्डलपुर की धार्मिक यात्रा

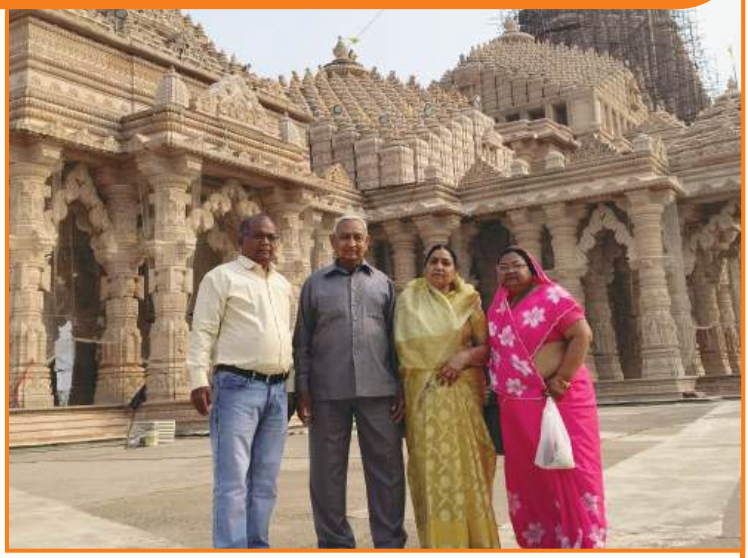

शाबाश इंडिया

डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' और डॉ. शांति जैन 'मणि' ने डॉ. सोहन लाल जैन 'पंकज' के संयोजन में कुण्डलपुर, पथरिया व मंगलगिरी की धार्मिक यात्रा की। इस यात्रा में वे सबसे पहले गाड़ी से कुण्डलपुर पहुँचे। वहाँ पहुँचकर 'बड़े बाबा' के दर्शन किए और बाद में मुख्य मंदिर के दाईं व बाईं ओर स्थित चौबीसी तथा उसके ऊपर विराजमान छोटी चौबीसी के दर्शन किए। तत्पश्चात, ऊपर की मंजिल के दर्शन कर बाहर बने मानस्तंभ की वंदना की और वहाँ से पथरिया के लिए रवाना हुए। पथरिया जी के मुख्य मंदिर में करीब सौ सीढ़ियाँ हैं और यहाँ तीन मंजिलों में भगवान विराजमान हैं। पहली मंजिल में चारों तरफ चौबीस जिनालय हैं और दोनों तरफ बड़े जिनालय बने हुए हैं। दूसरी मंजिल पर भी चारों ओर चौबीस जिनालय हैं और तीसरी मंजिल पर भी पुनः चौबीस जिनालय सुशोभित हैं। मंदिर के मध्य में भगवान धर्मनाथ की करीब 15 फीट उत्तुंग प्रतिमा विराजमान है और उनके दोनों ओर 10-10 फीट की दो अन्य प्रतिमाएँ हैं। इस मंदिर के पीछे विशाल भोजनशाला व संतशाला है तथा सामने एक कोने में कैंटीन की व्यवस्था है। मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल के विशाल हॉल में सैंकड़ों मूर्तियाँ विराजमान हैं। यहाँ दर्शन करने के पश्चात सभी मंगलगिरी (सागर) पहुँचे। यहाँ स्थित करीब 10 विशाल मंदिरों के दर्शन किए तथा नन्दीश्वर जिनालय व वहाँ की विशाल खड्गासन प्रतिमा की वंदना की। इस यात्रा में श्रीमती पद्मा जी, साधना जी और दिनेश जी आदि ने भी साथ रहकर धर्म लाभ लिया।

भुवनेश्वरी परिवार संस्था द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

मुंबई (कांदिवली). शाबाश इंडिया

ठाकुर विलेज में भुवनेश्वरी परिवार संस्था द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह कथा ज्ञान महायज्ञ के चौथे दिन श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से ओतप्रोत रहा। कथा व्यास आचार्य पंडित प्रमोद द्विवेदी जी महाराज के मुखारविंद से प्रवाहित कथा रूपी अमृत का रसपान कर भक्त भाव-विभोर और मंत्रमुग्ध हो गए। इस भव्य आयोजन का संचालन संस्था के संस्थापक देवेंद्र शुक्ल, अध्यक्ष एवं मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष डॉ. इंदु प्रकाश आर. तिवारी तथा राम प्रकाश तिवारी के संयोजन में संपन्न हो रहा है।

अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता एवं उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष डॉ. किशोर सिंह, नीलांबरी फाउंडेशन के सचिव व वरिष्ठ पत्रकार/साहित्यकार लक्ष्मीकांत मिश्र 'कमल नयन', तथा श्री रुद्र स्वरूप सेवा संस्था के कार्याध्यक्ष मृत्युंजय ठाकुर उपस्थित रहे। सभी ने व्यास पीठ का पूजन कर कथा का आनंद लिया।

आरती और आशीर्वाद

कथा के विश्राम पर आए हुए अतिथियों ने श्रीमद्भागवत जी की आरती उतारी। पूज्य व्यास जी ने सभी विशिष्ट अतिथियों को अंग-वस्त्र और पुष्पमाला पहनाकर अपना शुभाशीर्वाद प्रदान किया। कथा पंडाल भक्तों से खचाखच भरा हुआ था, जिसमें क्षेत्र की कई गणमान्य हस्तियाँ भी उपस्थित रहीं। आरती के उपरांत उपस्थित जनसमूह के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के संस्थापक व चेयरमैन देवेंद्र शुक्ल ने सभी भक्तों और अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

भगवान पद्मप्रभु के मोक्ष कल्याणक पर होंगे विविध आयोजन, पंचकल्याणक के मुख्य पात्रों का होगा चयन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभु की भूगर्भ से प्रकट अतिशयकारी प्रतिमा के लिए विश्व प्रसिद्ध दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, पदमपुरा (बाड़ा) में विशेष आयोजन होने जा रहे हैं। गुरुवार, 5 फरवरी को भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में भगवान पद्मप्रभु का मोक्ष कल्याणक दिवस भक्तिभाव से मनाया जाएगा। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन (दौसा) एवं मानद मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी:

प्रातः 7:00 बजे: मूलनायक भगवान पद्मप्रभु का मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक एवं विश्व शांति की कामना हेतु शांतिधारा।

प्रातः 7:30 बजे: भगवान पद्मप्रभु की संगीतमय निर्वाण पूजा।

प्रातः 8:15 बजे: जयकारों के बीच मोक्ष के प्रतीक 'निर्वाण लाडू' का समर्पण।

प्रातः 10:15 बजे: श्रद्धालुओं द्वारा भगवान पद्मप्रभु की खड्गासन प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक।

कोषाध्यक्ष राजकुमार कोठ्यारी ने बताया कि भगवान के अभिषेक के पश्चात पात्र निर्धारण समारोह आयोजित होगा। पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ (32 पिच्छी) एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में 18 फरवरी से 22 फरवरी तक आयोजित होने वाले 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' के प्रमुख पात्रों (सौधर्म इंद्र, कुबेर, माता-पिता आदि) का चयन किया जाएगा। इस गरिमामयी अवसर पर आगामी महोत्सव के बहुरंगी पोस्टर का विमोचन किया गया। इस दौरान एडवोकेट सुधीर जैन, हेमंत सोगानी, ज्ञानचंद झांझरी, राजकुमार कोठ्यारी, सुरेश काला, जे.एम. जैन, सुरेश सबलावत, ज्ञानचंद सोगानी, प्रदीप जैन, नरेंद्र पांड्या, राकेश सेठी, विनोद जैन (कोटखावदा), अशोक छाबड़ा, पदमचंद बिलाला, धनकुमार जैन, मनीष बैद, राकेश गोदीका और राजा बाबू गोधा सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

माता-पिता की संपत्ति पर अधिकार जताने वाले सेवा करना क्यों भूल जाते हैं: संत दिग्विजय रामजी

अग्रवाल उत्सव भवन में उमड़ रहे श्रद्धालु, कल मनेगा भव्य नंदोत्सव

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

'कलियुग में प्रभु नाम का सुमिरन करने मात्र से सारे पाप, ताप और संताप मिट जाते हैं और सर्व सुखों की प्राप्ति होती है। राम से बड़ा राम का नाम है, जिसकी महिमा अपरंपार है।' यह विचार रामद्वारा चित्तौड़गढ़ के रामस्नेही संत और प्रखर वक्ता श्री दिग्विजय रामजी महाराज ने व्यक्त किए। वे बुधवार को रोडवेज बस स्टैंड के पास अग्रवाल उत्सव भवन में स्व. श्रीमती गीतादेवी तोषनीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन व्यास पीठ से संबोधित कर रहे थे। संपत्ति और सेवा पर कड़ा प्रहार संत श्री ने भावुक होते हुए कहा कि यह कलियुग का ही प्रभाव है कि लोग माता-पिता की संपत्ति पर अधिकार जताने के लिए तो कोर्ट-कचहरी और केस करते हैं, लेकिन उनकी सेवा का अधिकार पाने के लिए कोई आगे नहीं आता। उन्होंने कहा, जब हम उस पर भी हक जमाते हैं जो हमारा नहीं है, तो महाभारत की शुरूआत होती है। यदि दूसरों की संपत्ति के बजाय अपनी संपत्ति का भी त्याग करने का मन हो जाए, तो समझ लेना कि जीवन में भागवत तत्व का प्रवेश हो गया है। उन्होंने मदिरापान जैसे कुव्यसनों के त्याग की प्रेरणा देते हुए कहा कि अनीति से कमाई गई संपत्ति अंत में समूल नाश का कारण बनती है। कथा के दौरान ध्रुव चरित्र, जड़भरत संवाद और प्रहलाद चरित्र के प्रसंग सुनाए गए। भक्त ध्रुव और भगवान नारायण की सजीव झांकी आकर्षण का केंद्र रही। 'जाति-पाति की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई' सनातन धर्म की एकजुटता पर बल देते हुए महाराज ने कहा कि हमें जातियों में बँटने के बजाय एकजुट होना होगा। उन्होंने आह्वान किया, 'हम बटेंगे तो कटेंगे। सभी सनातनी गर्व से कहें कि हम हिंदू हैं और अपने बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ें।' संतों का समागम और आयोजन विवरण तीसरे दिन कथा में भीलवाड़ा के हरिशेवा उदासीन आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी जी महाराज, और आलोटा से संत मनोरथराम जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। तोषनीवाल परिवार द्वारा सभी संतों का अभिनंदन किया गया।

कलियुग में प्रभु नाम के सुमिरन से मिट जाते हैं सारे पाप, ताप और संताप

नंदोत्सव: गुरुवार रात 8 बजे से भव्य नंद महोत्सव और रासलीला का आयोजन होगा।

विष्णु महायज्ञ: परिसर में प्रतिदिन सुबह 8 से दोपहर 12:30 बजे तक पंच कुण्डीय श्री विष्णु महायज्ञ पंडित गौरीशंकर शास्त्री के सान्निध्य में जारी है।

कथा समय: प्रतिदिन दोपहर 2:00 से शाम 6:00 बजे तक। कथा के अंत में जब महाराज ने भगवान चारभुजानाथ के भजनों की प्रस्तुति दी, तो श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। मंच संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया।

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के सानिध्य में 'हर मास-एक उपवास' का भव्य आयोजन 7 फरवरी को

राजस्थान के राज्यपाल और मुख्यमंत्री होंगे कार्यक्रम में सम्मिलित

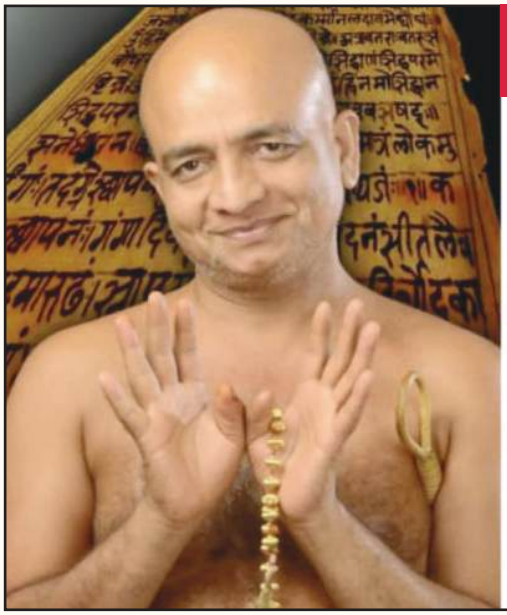

प्रासंगिक कवि सम्मेलन में अपनी रचनाओं से रस घोलेंगे प्रख्यात कवि

जयपुर. शाबाश इंडिया

साधना महोदधि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज के आह्वान पर 'द्वितीय सामूहिक उपवास' का भव्य आयोजन आगामी 7 फरवरी को जयपुर में होने जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े करेंगे तथा मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित रहेंगे।

आयोजन में विशिष्ट अतिथियों के रूप में राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्य शामिल होंगे, जिनमें:

डॉ. प्रेमचंद बेरवा (उपमुख्यमंत्री)
जवाहर सिंह बेढ़म (गृह राज्य मंत्री)
गौतम दक (सहकारिता मंत्री)
सुरेश सिंह रावत (जल संसाधन मंत्री)
संजय शर्मा (वन एवं पर्यावरण मंत्री)
कन्हैयालाल चौधरी (जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री)
जोराराम कुमावत (पशुपालन मंत्री)
डॉ. मंजू बाघमार (महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री)
मंजू शर्मा (सांसद, जयपुर शहर)

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजीव जैन (गाजियाबाद) ने बताया कि यह कार्यक्रम 7 फरवरी को दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक सेंट्रल लॉन, एंटरटेनमेंट पैराडाइज, जवाहर सर्किल, जयपुर में आयोजित होगा।

प्रासंगिक कवि सम्मेलन 'हर मास-एक उपवास'

आयोजन से जुड़े एस.के. गुप्ता (तिजारावाले), नीरज जैन और बसंत सेठी ने बताया कि इस अवसर पर एक विशेष कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। इसमें प्रसिद्ध संगीतकार स्व. श्री रवींद्र जैन जी की कंठ-विग्रह नीलम सिंह यादव विशेष प्रस्तुति देंगी। साथ ही प्रख्यात कवि कविता तिवारी, विनीत चौहान, मनवीर मधुर, तरुण जैन, और राव अजातशत्रु अपनी रचनाओं से भक्तों को भावविभोर करेंगे।

आयोजन का उद्देश्य और निर्देशन

प्रवक्ता रोमिल पाटनी, नरेंद्र अजमेरा और पीयूष कासलीवाल के अनुसार, संपूर्ण आयोजन मुनि श्री पीयूष सागर जी महाराज के निर्देशन में संपन्न होगा। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के सानिध्य में 'हर मास-एक उपवास' का यह द्वितीय चरण है। प्रत्येक माह की 7 तारीख को यह आयोजन होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति की मूल परंपराओं, योग और उपवास के वैज्ञानिक लाभों से जनमानस को जोड़ना है।

पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के पोस्टर का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर परिवार सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य 'श्री शिव महापुराण कथा' एवं 'श्री महामृत्युंजय रुद्र महायज्ञ' का आयोजन आगामी 20 से 26 मार्च तक मानसरोवर स्थित वीटी रोड मेला ग्राउंड पर किया जाएगा। इस पावन अवसर पर भारत के सुप्रसिद्ध कथावाचक और आध्यात्मिक प्रवक्ता परम श्रद्धेय पं. प्रदीप मिश्रा जी महाराज (सीहोर वाले) अपनी अमृतमयी वाणी से जयपुरवासियों को शिव कथा का रसपान कराएंगे। इस भव्य आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन आज मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट सचिव अखिलेश अत्री, समाजसेवी राकेश कुलवाल, व्यवस्थापक मनोज पांडे और सह-यजमान नरेंद्र हर्ष मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मुख्य व्यवस्थापक अखिलेश अत्री ने बताया कि कथा के शुभारंभ से पूर्व 15 मार्च को एक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। के.एल. सैनी स्टेडियम से

प्रारंभ होकर कथा स्थल तक जाने वाली इस यात्रा में 11 हजार महिलाएँ सिर पर कलश धारण कर सम्मिलित होंगी। भव्य लवाजमे के साथ निकलने वाली इस ऐतिहासिक कलश यात्रा में जयपुर के साथ-साथ देशभर से हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। आयोजन को लेकर जयपुरवासियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है और तैयारियाँ युद्ध स्तर पर चल रही हैं। आयोजकों का मानना है कि सभी संगठनों के सामूहिक प्रयास से यह आयोजन राजस्थान के धार्मिक इतिहास में एक उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी अध्याय स्थापित करेगा।

शिव भगवती मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

तलवंडी, कोटा. शाबाश इंडिया

तलवंडी स्थित शिव भगवती मंदिर में मंदिर समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण की जन्म लीला का भक्तिमय माहौल में मंचन किया गया। नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की... के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। मंदिर के संरक्षक विकास गोयल एवं डॉ. आर.बी. गुप्ता ने बताया कि कथा वाचक आचार्य हरीश मुद्गल ने देव, ऋषि और पितृ यज्ञों का परिचय दिया। उन्होंने प्राचीन भारतीय आर्यों द्वारा स्थापित मानव जीवन के प्रधान 'सोलह संस्कारों' पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कैसे ये संस्कार व्यक्ति के चरित्र निर्माण में सहायक होते हैं।

भावपूर्ण कृष्ण जन्म प्रसंग

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए आचार्य ने कहा कि भगवान का अवतार धर्म की स्थापना और भक्तों की रक्षा के लिए होता है। उन्होंने बताया: जब मथुरा के कारागार में देवकी और वसुदेव के घर भगवान ने अवतार लिया, तब स्वतः ही बेड़ियाँ खुल गईं और अंधकार में दिव्य प्रकाश फैल गया। देवताओं ने आकाश से पुष्प वर्षा की।

कथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्रभु हमेशा अपने भक्तों की पुकार सुनते हैं और विपत्ति के समय उनकी रक्षा करते हैं। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद योगेश राणा, मंदिर समिति की अध्यक्ष सीमा गोयल, गीता मिश्रा, लादूलाल जांगिड़, पंडित केशव शर्मा, राधेश्याम विजय, श्रीनाथ शर्मा, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, कैलाश चंद भण्डारी और विष्णु गोयल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। संरक्षक डॉ. रामबाबू गुप्ता ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 8 फरवरी को भव्य विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस उपलक्ष्य में शिव भगवती मंदिर से एक विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें क्षेत्र के सभी महिला एवं पुरुष श्रद्धालु सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेंगे।

श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में फेयरवेल पार्टी की धूम

जयपुर. शाबाश इंडिया

'आओ जी पधारो म्हारे देश', 'खम्मा घणी', 'काल्यो कूद पड्यो मेला में' और 'रंगीलो म्हारो ढोलना' जैसे राजस्थानी गीतों और वेस्टर्न डांस की धुनों ने महाराजा अग्रसेन ऑडिटोरियम में समां बाँध दिया। अवसर था सांगानेरी गेट स्थित श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में आयोजित विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का। कक्षा 11 के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित इस पार्टी में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं ने जमकर मस्ती की और अपने स्कूल के दिनों की खट्टी-मीठी यादें साझा कीं। विदाई की खुशी के साथ-साथ बिछड़ने का दर्द भी उनके चेहरों पर साफ झलक रहा था।

माँ सरस्वती की वंदना से कार्यक्रम का आगाज

समारोह का शुभारंभ श्री अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (गंगानगर मोटर्स वाले), उपाध्यक्ष सुरेश दीवान, महासचिव नरेश सिंघल, स्कूल सचिव कमल नानूवाला और प्राचार्या अभिलाषा शैली ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

रंगारंग कार्यक्रमों की रही धूम

कार्यक्रम की शुरूआत में कक्षा 5 से 9 के विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य 'आओ जी पधारो' की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके बाद फ्यूजन डांस में राजस्थानी लोकनृत्यों की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने 'तुम छुप ना जाओ जी' गाने पर अपनी मासूम अदाओं से सबका दिल जीत लिया। कक्षा 11 के छात्रों द्वारा मंचित नाटक 'कंजूस पिताजी की पूजा' ने दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोट-पोट कर दिया। इसके अतिरिक्त रैंप वॉक, योगा डांस और भावुक कर देने वाले गीतों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

मिस्टर और मिस फेयरवेल का चयन

समारोह के अंत में बहुप्रतीक्षित मिस्टर और मिस फेयरवेल की घोषणा की गई। रामू सउद (कक्षा 12-सी) को 'मिस्टर फेयरवेल' और दिव्यांशी शर्मा (कक्षा 12-बी) को 'मिस फेयरवेल' चुना गया। महासचिव नरेश सिंघल ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा, 'एक विचार को अपने जीवन का सार बना लें और उस पर एकाग्रता से कार्य करें; यही सफलता का मार्ग है।' सचिव कमल नानूवाला ने अनुशासन, विनम्रता और ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्या अभिलाषा शैली ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अरविंद अग्रवाल, राम प्रकाश चौधरी, शशांक मित्तल, ओ.पी. गुप्ता, मुकेश बंसल, उमाशंकर गुड़वाला और विकास गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जेएसजी संस्कार ग्रुप ने मनाया 'बॉर्डर 2' का जोश, आगामी सत्र के कार्यक्रमों की बनी रणनीति

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संस्कार द्वारा अर्बन स्क्वेयर मॉल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मनोरंजन, उत्सव और सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी, अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन और सचिव जितेंद्र धाकड़ के नेतृत्व में 180 सदस्यों ने एकजुट होकर हाल ही में रिलीज हुई देशभक्ति फिल्म 'बॉर्डर 2' का आनंद लिया।

देशभक्ति के रंग में रंगा सिनेमा हॉल

फिल्म प्रदर्शन के दौरान सिनेमा हॉल का नजारा देखने लायक था। माहौल पूरी तरह देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। फिल्म शुरू होने से पहले और समापन के बाद सदस्यों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से पूरे हॉल को गुंजायमान कर दिया।

सालगिरह और जन्मदिन का उत्सव

इस विशेष अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष डॉ. प्रमिला हिम्मत जैन की शादी की सालगिरह एवं सदस्य नरेंद्र नाहर का जन्मदिन सभी सदस्यों की मौजूदगी में केक काटकर धूमधाम से मनाया गया। सभी ने हर्षोल्लास

के साथ उन्हें शुभकामनाएं दीं। ओसवाल सभा के हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी एवं सचिव डॉ. प्रमिला जैन का ग्रुप की ओर से पगड़ी, माला और उपरणा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इसके साथ ही चुनाव में विजयी रहे अन्य सदस्यों– किरण पोखरना, फतेहसिंह मेहता, ललित जैन, प्रवीण मेहता, करणमल जारोली, दिलीप कंठालिया और मार्बल एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सचिव रौनक कोठारी का भी माला एवं उपरणा पहनाकर अभिनंदन किया गया। सचिव जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि दोपहर में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में ग्रुप के आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तय की गई। संस्कार ग्रुप न केवल मनोरंजन, बल्कि अपने सदस्यों की उपलब्धियों पर गर्व करने और खुशियाँ बांटने की अपनी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

भारत अगले दो-तीन दशकों में बनेगा 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

देश की ग्रोथ का लाभ उठाने के लिए 'सेवर्स' से 'इन्वेस्टर्स' बने युवा भारतः अंबानी

ब्लैकरॉक सीईओ लैरी फिंक ने भारत को बताया लॉन्ग-टर्म वेल्थ क्रिएशन का सबसे बड़ा अवसर

अकसे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में आएगा क्रांतिकारी बदलाव

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश डी. अंबानी ने विश्वास जताया है कि भारत अगले 20-30 वर्षों में 25 से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि यह दौर देश की युवा पीढ़ी के लिए निवेश का एक ऐतिहासिक अवसर होगा। मुंबई में आयोजित जियो-ब्लैकरॉक कार्यक्रम 'इन्वेस्टिंग फॉर ए न्यू एरा' में ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक के साथ एक विशेष चर्चा (फायरसाइड चैट) के दौरान अंबानी ने भारत की विकास यात्रा का भविष्यवादी खाका पेश किया। मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत पारंपरिक रूप से बचत करने वाला देश रहा है, लेकिन अब समय आ गया है कि देश की आर्थिक प्रगति का लाभ उठाने के लिए निवेश की संस्कृति अपनाई जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि बचत का पैसा कैपिटल मार्केट में निवेश किया जाए, तो इससे न

केवल परिवारों की संपत्ति बढ़ेगी, बल्कि देश की जीडीपी को भी नई गति मिलेगी। लैरी फिंक ने भी इस विचार का समर्थन करते हुए कहा कि लॉन्ग-टर्म इक्विटी निवेश, भारत जैसे तेजी से बढ़ते देश में संपत्ति सृजन का सबसे प्रभावी जरिया है।

विकास के चार स्तंभः नीति, स्थिरता, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल क्रांति

अंबानी के अनुसार, भारत के विकास की नींव मजबूत नीतियों, राजनीतिक स्थिरता, व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण और डिजिटल क्रांति पर टिकी है। 5जी तकनीक, 'डिजिटल इंडिया' अभियान और पूंजी बाजारों के विस्तार ने भारत को दीर्घकालिक निवेश के लिए दुनिया का सबसे आकर्षक केंद्र बना दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा करते हुए अंबानी ने कहा कि यह तकनीक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। अकके माध्यम से 1.4 अरब लोगों तक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ प्रभावी ढंग से पहुँचाई जा सकती हैं। कार्यक्रम में लैरी फिंक ने वर्तमान समय को 'एरा ऑफ इंडिया' (भारत का युग) करार दिया। इस पर अंबानी ने निष्कर्ष निकालते हुए कहा कि जो निवेशक भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता पर भरोसा करेंगे, वे आने वाले दशकों में सबसे अधिक लाभान्वित होंगे।

भक्ति और उल्लास के साथ नव वर्ष का स्वागत

स्वस्तिक ग्रुप ने चूल्हिरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'स्वस्तिक' ने नव वर्ष 2026 का मंगल आगाज आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक सद्भाव के साथ किया। 'वेलकम-2026' कार्यक्रम का आयोजन चूल्हिरी जैन मंदिर में सामूहिक पूजा और आरती के साथ भक्ति भाव से संपन्न हुआ। पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति ग्रुप के अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 40 सदस्यों ने पारंपरिक वेशभूषा और मुकुट धारण कर भगवान की आराधना की और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती स्नेहलता जी जैन द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संगीता जी सोनी ने अत्यंत भावपूर्ण तरीके से पूजा की क्रियाएं संपन्न करवाईं। सम्मान और नवीन सदस्यों का स्वागत इस अवसर पर ग्रुप में शामिल हुए नए साथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। साथ ही, जिन सदस्यों की जन्मतिथि और विवाह की वर्षगांठ थी, उन्हें तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। ग्रुप की ओर से सभी सदस्यों को नव वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष भेंट (उपहार) प्रदान की गई। उपहार वितरण में किशोर जी ठोलिया और अशोक जी जैन (चांदवड) ने सहयोग किया। यादगार पल और सामूहिक सहभोज पूरे कार्यक्रम के सुंदर दृश्यों को प्रदीप जी सोनी ने छायाचित्रों (फोटोग्राफी) के माध्यम से संजोया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने सामूहिक चित्र खिंचवाया। स्वादिष्ट और शुद्ध सात्विक भोजन के साथ इस भव्य आयोजन का समापन हुआ। अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने सभी सदस्यों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी तरह के संगठित और संस्कारवान आयोजनों का संकल्प दोहराया।

गृहस्थ संघर्षशील नहीं होता, वह परिस्थितियों से समझौता कर लेता है: आचार्य वर्धमान सागर

निवाई/चाकसू. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का गुन्सी विज्ञा तीर्थ से अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के लिए मंगल विहार हुआ। बुधवार को विहार के दौरान श्रावक शिरोमणि और आर.के. मार्बल समूह के अध्यक्ष श्री अशोक जी पाटनी ने आचार्य संघ के सान्निध्य में पद विहार का लाभ लिया और धार्मिक चर्चा कर विश्व शांति की मंगल कामना की। विज्ञा तीर्थ पर पंचामृत अभिषेक मीडिया प्रभारी विमल जौला और राकेश संधी ने बताया कि निवाई में शीतकालीन प्रवास के उपरांत आचार्य श्री ससंघ मुंडिया ग्राम पहुँचे, जहाँ समाजसेवी महावीर प्रसाद जैन के परिवार ने पाद प्रक्षालन कर उनकी अगवानी की। तत्पश्चात संघ विज्ञा तीर्थ पहुँचा, जहाँ आचार्य श्री एवं आर्यिका ज्ञान श्री माताजी के सान्निध्य में पंचामृत अभिषेक, शांतिधारा और देव-शास्त्र-गुरु की संगीतमय पूजा अर्चना संपन्न हुई। पदमपुरा में होगा भव्य स्वागत प्रवक्ता सुनील भाणजा और हितेश छाबड़ा के अनुसार, आचार्य संघ कोथून और चाकसू होते हुए अतिशय क्षेत्र पदमपुरा पहुँचेगा। पदमपुरा में जहाँ एक ओर आचार्य वर्धमान सागर जी का ससंघ प्रवेश होगा, वहीं दूसरी ओर अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज भी वहाँ पहुँचेंगे। निवाई जैन समाज के श्रद्धालु दोनों आचार्य परमेष्ठी को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। आगामी दिनों में आचार्य प्रसन्न सागर जी के निवाई आगमन की भी प्रबल संभावना है। आचार्य श्री की मंगल देशना धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य वर्धमान सागर जी ने कहा, श्रावक वह है जो कैसी भी आपत्ति आने पर अपनी श्रद्धा को विचलित नहीं होने देता। गृहस्थ संघर्षशील नहीं होता, वह प्रायः परिस्थितियों के साथ समझौता कर लेता है, परंतु श्रावक वह है जो उलझनों के बीच भी स्वयं को जानने का पुरुषार्थ करता है। उन्होंने आगे कहा कि यदि कर्मोदय के कारण शरीर साथ न भी दे, तब भी सच्चा श्रावक अपने मन मंदिर में प्रभु को स्थापित कर भाव पूजा करता है। जो व्यक्ति कर्म करने में शूरवीर है, वह धर्म की राह पर भी शूरवीर बन सकता है। जब भेद-विज्ञान रूपी दीपक जलता है, तब विभाव परिणति स्वतः स्वभाव में जाग्रत हो जाती है। विहार में जन-सैलाब विहार के दौरान दिनेश चंवरिया, गोपाल कठमाणा, मनोज पाटनी, राजकुमार संधी, धर्मेंद्र पासरोटिया, चिराग टोंग्या सहित निवाई और चाकसू समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हर मास एक उपवास

साधना महोदधि अंतर्मना श्री 108 आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज
एवं योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज के पावन आह्वान

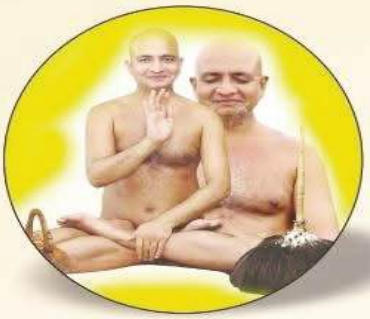

अध्यक्षता:
श्री हरिभाव किसनभाव बागड़े
माननीय राज्यपाल
राजस्थान

मुख्य अतिथि:
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
राजस्थान

द्वितीय सामूहिक उपवास एवं कवि सम्मेलन 7 फरवरी को

समय: दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक

स्थान: सेंट्रल लॉज एंटरटेनमेंट, पैराडाइज जवाहर सर्किल, जयपुर (राजस्थान)

विशिष्ट अतिथि गण

डॉ प्रेमचंद जी बैरवा
उपमुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री जवाहर सिंह जी बेढ़म
गृह राज्य मंत्री, राजस्थान

श्री गौतम जी दक
सहकारिता मंत्री, राजस्थान

प्रासंगिक कवि सम्मेलन ''हर मास– एक उपवास''

सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि गण : श्रीमती कविता तिवारी, श्री विनीत चौहान, श्री मनवीर मधुर, श्री राव अजातशत्रु एवं श्री तरुण जैन

विशेष प्रस्तुति : सुप्रसिद्ध गीतकार स्व. श्री रविन्द्र जैन जी के कंठ–विग्रह श्री नीलम सिंह यादव द्वारा

श्री संजय जी शर्मा
वन एवं पर्यावरण मंत्री, राजस्थान

श्री कन्हैयालाल जी चौधरी
स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री, राजस्थान

श्री सुरेश सिंह जी रावत
जल संसाधन मंत्री, राजस्थान

डॉ मंजू जी बाघमार
महिला बाल विकास मंत्री, राजस्थान

श्रीमति मंजू शर्मा
सांसद जयपुर शहर

श्री जोराराम जी कुमावत
पशुपालन मंत्री, राजस्थान

कार्यक्रम के संयोजक एवं संपर्क सूत्र:

एस. के. गुप्ता जी तिजारावाला 9311131555
नीरज जैन (उप–महापौर) नगर निगम अजमेर 9414241415
बसंत सेठी 9414154825

FASTING FOUNDATION
Embrace the pause

Fasting Foundation : Jaipur Chapter

राजीव जैन	राजेश राँवका	आलोक जैन	विनय सोगानी	प्रितेश जैन	चेतन जैन	आशीष चौधरी
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	सहसचिव	कोषाध्यक्ष	सदस्य	सदस्य
गाजियाबाद (जयपुर)	(जयपुर)	(जयपुर)	(जयपुर)	(जयपुर)	निमोडिया (जयपुर)	बगरू (जयपुर)
9414054571	9954010010	9414070741	9414054814	9414269552	9351783600	9829540655

आप सभी सादर आमंत्रित हैं
Join us
Give us miss call at
9311431555

अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार द्वारा

मिट्टी से सृजन, कला का दर्शन (पॉटरी शो)

जयपुर. शाबाश इंडिया

बच्चों के सर्वांगीण विकास में पॉटरी का महत्व पॉटरी न केवल बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को नई उड़ान देती है, बल्कि उनकी फाइन मोटर स्किल्स (सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल), एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी सशक्त बनाती है। मिट्टी के साथ काम करना बच्चों को धैर्य, समस्या-समाधान और आत्म-अभिव्यक्ति की कला सिखाता है, साथ ही उन्हें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से भी जोड़ता है। श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में आज 'पॉटरी शो' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मिट्टी गूंथने, उसे सांचों में ढालने और चाक पर विभिन्न आकर्षक आकार देने की कलात्मक प्रक्रिया से अवगत कराया गया। रचनात्मक अनुभव कुशल विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने मिट्टी से खिलौने, बर्तन, बाउल्स और सुंदर दीये बनाना सीखा। बच्चों के चेहरे पर छाई उत्सुकता और मुस्कान इस कार्यक्रम की सफलता का प्रमाण थी। इस जीवंत और रचनात्मक अनुभव का अभिभावकों ने भी भरपूर आनंद लिया। प्राचार्या का संदेश विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने बताया कि: ऐसी गतिविधियाँ न केवल बच्चों की अंतर्निहित प्रतिभा को निखारती हैं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय बनाकर उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार की रचनात्मक और शिक्षाप्रद गतिविधियों का आयोजन निरंतर करता रहेगा।